मिशेल स्टार्क की दमदार वापसी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

ऑस्कर 2027 के नियमों में बड़ा बदलाव

Page-05

**नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 15 जून से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करेगा। पहली फ्लाइट इंडिगो संचालित करेगी, इसके बाद अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी जुड़ेंगी। आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा मंजूरी के साथ यह एयरपोर्ट एनसीआर और पश्चिमी यूपी की कनेक्टिविटी, व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।**

# 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम'

## आपदा चेतावनी अब सीधे मोबाइल फोन पर मिलेगी

- **आपदा अलर्ट अब सीधे मोबाइल पर तुरंत पहुंचेगा।**
- **देशभर में सिस्टम का सफल ट्रायल किया गया।**

नई दिल्ली में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का शुभारंभ किया। यह प्रणाली केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सुझाव और मार्गदर्शन में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सहयोग से विकसित की गई है। इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्देश्य आपदा, आपातकालीन स्थिति और जनसुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को सीधे नागरिकों के मोबाइल फोन तक तुरंत पहुंचाना है। इससे किसी भी आपदा या संकट की स्थिति में लोगों को समय रहते चेतावनी और आवश्यक जानकारी मिल सकेगी, जिससे जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकेगा। इस अवसर पर देशभर में इस प्रणाली का सफल परीक्षण भी किया गया। परीक्षण के दौरान लोगों के मोबाइल फोन पर बीप ध्वनि के साथ आपातकालीन अलर्ट संदेश प्रदर्शित हुआ। यह परीक्षण प्रणाली की कार्यक्षमता और उसकी तत्परता को जांचने के लिए किया गया था, जिसमें यह सफल रही। सरकार का मानना है कि यह नई तकनीक आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगी। विशेष रूप से प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप, चक्रवात, भूस्खलन और गंभीर मौसम स्थितियों के दौरान यह प्रणाली बेहद उपयोगी साबित होगी। इसके अलावा, किसी भी राष्ट्रीय आपात स्थिति में भी इसका उपयोग त्वरित सूचना प्रसारण के लिए किया जा सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' देश की मौजूदा आपदा चेतावनी तंत्र को डिजिटल और अधिक प्रभावी बनाएगा। यह प्रणाली बिना इंटरनेट के भी मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से संदेश प्रसारित करने में सक्षम होगी, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों तक भी समय पर चेतावनी पहुंच सकेगी। सरकार ने इसे जनसुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि बताया है, जो भविष्य में लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक हो सकती है।

## विवेक विहार में रिहायशी इमारत में भीषण आग से 9 लोगों की मौत

दिल्ली के शाहदरा इलाके में रविवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया। विवेक विहार की एक रिहायशी इमारत में अचानक भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, आग तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल चुकी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 3:47 बजे सामने आया, जब फायर कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद तुरंत दमकल की कई गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। कुल 14 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने और लोगों को बचाने का काम शुरू किया। जानकारी के मुताबिक हादसे का कारण एसी में धमाका होना है। आग बी-13 नाम की बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर पर लगी थी। बताया जा रहा है कि शुरुआत में आग सीमित थी, लेकिन देखते ही देखते यह पूरे ढांचे में फैल गई। आग पर काबू पाने में करीब ढाई घंटे लग गए और सुबह 6:25 बजे जाकर स्थिति नियंत्रण में आई। हालांकि तब तक काफी नुकसान हो चुका था। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। वहीं, 4 से 6 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

## डायमंड हार्बर में फिर से मतदान, अभिषेक बनर्जी का गढ़

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका देते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। टीएमसी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें चुनाव आयोग के निर्देश को बरकरार रखा गया था। आयोग ने कहा था कि 4 मई को मतगणना केंद्रों पर केवल केंद्रीय बलों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU) के कर्मचारियों को ही मतगणना पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया जाएगा। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग का परिपत्र गलत नहीं है और इसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतगणना के दौरान टीएमसी के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। यह निर्णय ईसीआई के 13 अप्रैल के निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के बाद लिया गया। इस बीच पश्चिम बंगाल में पुनर्मतदान भी कराया जा रहा है। डायमंड हार्बर और मगराहट पश्चिम की 15 बूथों पर ईवीएम गड़बड़ी और धांधली के आरोपों के बाद मतदान दोबारा हो रहा है। कुल मिलाकर चार राज्यों और पुडुचेरी में मतगणना 4 मई को होगी।

# प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के नए अध्यक्ष

## सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने की आधिकारिक घोषणा

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि प्रसिद्ध गीतकार, लेखक और विज्ञापन जगत की जानी-मानी हस्ती प्रसून जोशी को देश के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि यह नियुक्ति साहित्य, सिनेमा, विज्ञापन और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में उनके लंबे और प्रभावशाली योगदान को देखते हुए की गई है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कुछ महीने पहले पूर्व अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रसून जोशी को बधाई देते हुए कहा कि वे एक अत्यंत रचनात्मक और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। मंत्री ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में प्रसार भारती को नई दिशा, ऊर्जा और एक सशक्त रचनात्मक आवाज मिलेगी।

मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रसून जोशी ने भारतीय मीडिया और सांस्कृतिक विमर्श को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे अपनी प्रभावशाली लेखनी, गहरी सांस्कृतिक समझ और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं। उनके द्वारा लिखे गए फिल्मी गीत, विज्ञापन अभियानों और सामाजिक संदेशों से जुड़े कार्यों ने देशभर में व्यापक लोकप्रियता हासिल की है। प्रसून जोशी अगस्त 2017 से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। साथ ही वे फिल्म उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ लगातार संवाद में भी जुड़े रहे।

# दिल्ली के कोने-कोने में पहुंचेगी मेट्रो रेल

## दिल्ली सरकार ने मेट्रो रेल नेटवर्क के बड़े विस्तार को मंजूरी दे दी

दिल्ली सरकार ने शनिवार को मेट्रो रेल नेटवर्क के बड़े विस्तार को मंजूरी दे दी। इस विस्तार के तहत, फेज V(B) में 7 नए कॉरिडोर बनाए जाएंगे, जिसकी कुल लंबाई 97 किलोमीटर होगी। इन 7 कॉरिडोर पर कुल 65 मेट्रो स्टेशन बनाने की योजना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत ₹48,204.56 करोड़ है। इसका मकसद राजधानी के बाहरी और उभरते इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी देना है। अधिकारियों ने बताया कि 7 में से 4 कॉरिडोर को प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट के तौर पर चुना गया है और उन पर तेजी से काम किया जाएगा। सरकार ने इन प्राथमिकता वाले कॉरिडोर को 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे प्रोजेक्ट की DPR पहले ही तैयार करके केंद्र सरकार को सौंप दी गई है और अब कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार है। अधिकारियों ने बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में मुख्यमंत्री और DMRC के बीच हुई एक विस्तृत बैठक के बाद दिल्ली सरकार ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। एक बार मंजूरी मिलने के बाद जमीन पर काम शुरू करने से पहले केंद्र और दिल्ली सरकार को वित्तीय मंजूरी भी देनी होगी।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

| साईज | विजिटिंग कार्ड | क्वाटर पेज | हाफ पेज | फुल पेज (अंदर) | फुल पेज (कवर 2 - 3) | फुल पेज (कवर 4 - अंतिम) | (फ्रंट पेज) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रेट | ₹ 3000 | ₹ 6000 | ₹ 10,000 | ₹ 20,000 | ₹ 25,000 | ₹ 30,000 | ₹ 100000 |

8601780000

# कांकेर में आईईडी विस्फोट, डीआरजी के तीन जवान घायल

**छत्तीसगढ़ के कांकेर में आईईडी विस्फोट से डीआरजी के तीन जवान घायल हुए। नक्सलमुक्त घोषणा के बाद यह पहली बड़ी घटना है। केंद्र ने सक्रिय नक्सल प्रभाव खत्म बताया है, लेकिन इस विस्फोट ने स्पष्ट किया कि कई संवेदनशील इलाकों में सतर्कता, तलाशी अभियान और निरंतर निगरानी अब भी जरूरी है।**

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शनिवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट होने से छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवान घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बलों की एक टीम इलाके में नक्सलियों द्वारा बिछाए गए बारूदी सुरंगों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के अभियान में जुटी हुई थी। अधिकारियों के अनुसार यह विस्फोट कांकेर जिले के उस वन क्षेत्र में हुआ जो नारायणपुर जिले की सीमा से सटा हुआ है और लंबे समय से नक्सली गतिविधियों के लिए संवेदनशील माना जाता रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों को इस इलाके में नक्सलियों द्वारा आईईडी लगाए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी के जवानों को तलाशी अभियान पर भेजा गया। तलाशी के दौरान जवान जैसे ही एक संदिग्ध स्थान के पास पहुंचे, वहां पहले से लगाए गए विस्फोटक उपकरण में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और तीन जवान घायल हो गए।घटना के तुरंत बाद घायल जवानों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों के मुताबिक तीनों जवानों की हालत फिलहाल स्थिर है और उनका समुचित इलाज जारी है। सुरक्षा बलों ने विस्फोट के बाद पूरे इलाके में तलाशी अभियान और तेज कर दिया है ताकि आसपास छिपे अन्य विस्फोटक उपकरणों का भी पता लगाया जा सके। यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि 31 मार्च को छत्तीसगढ़ को नक्सली हिंसा से मुक्त घोषित किए जाने के बाद यह नक्सली गतिविधि से जुड़ी पहली बड़ी विस्फोटक घटना है। इस विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों को यह संकेत दिया है कि भले ही नक्सली नेटवर्क काफी कमजोर हुआ हो, लेकिन खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। उधर, केंद्र सरकार ने हाल ही में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए नई निगरानी व्यवस्था लागू की है। 8 अप्रैल को नौ राज्यों को भेजे गए एक आधिकारिक संदेश में कहा गया था कि 2015 से चलाए जा रहे लगातार उग्रवाद विरोधी अभियानों के परिणामस्वरूप अब देश का कोई भी जिला सक्रिय नक्सल प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में नहीं आता। हालांकि, केंद्र ने 37 जिलों को "विरासत और महत्वपूर्ण जिले" की श्रेणी में रखा है। ये कुल 38 जिले आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित नौ राज्यों में फैले हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि नई नीति इस बात का संकेत है कि सरकार अब केवल सुरक्षा अभियान ही नहीं, बल्कि विकास और स्थायी निगरानी के जरिए नक्सलवाद के बचे हुए प्रभाव को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है।

## दिल्ली के स्कूलों को फीस वसूली पर नया निर्देश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने राजधानी के सभी स्कूलों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी अभिभावक से एक बार में एक महीने से अधिक की फीस लेना अनिवार्य नहीं किया जा सकता। विभाग ने कहा है कि यदि कोई स्कूल इस नियम का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा निदेशालय की अधिसूचना के अनुसार, कोई भी स्कूल किसी अभिभावक या संरक्षक को एक कैलेंडर महीने से अधिक की फीस एक ही किश्त में जमा करने के लिए बाध्य, मजबूर या विवश नहीं करेगा। विभाग ने दोहराया कि एक महीने से अधिक की फीस का भुगतान किसी भी स्थिति में अनिवार्य शर्त नहीं बनाया जा सकता। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई अभिभावक अपनी सुविधा से, बिना किसी दबाव या प्रलोभन के, एक महीने से अधिक की फीस एक साथ जमा करना चाहता है, तो उसे इसकी अनुमति दी जा सकती है। लेकिन स्कूल इस विकल्प को अनिवार्य नहीं बना सकते। शिक्षा विभाग ने यह भी साफ किया है कि कोई भी विद्यालय प्रवेश, नामांकन जारी रखने या छात्र से जुड़ी किसी भी सेवा के लिए अग्रिम शुल्क भुगतान को पूर्व शर्त के रूप में लागू नहीं करेगा। यानी फीस के कारण किसी छात्र की पढ़ाई या उससे संबंधित सुविधाओं पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ना चाहिए।आदेश के तहत सभी स्कूलों को यह निर्देश अपने नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। साथ ही सात कार्य दिवसों के भीतर इसे अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।

## मोदी सरकार में काउंटर-इंटेलिजेंस बना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

2014 में नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के साथ-साथ काउंटर-इंटेलिजेंस को भी विशेष महत्व मिला है। विशेष रूप से अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद विदेशी खुफिया एजेंसियों, उनके नेटवर्क और भारत में सक्रिय एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई तेज हुई है। पहले जहां ध्यान मुख्यतः आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने या सीमा पार स्थित आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य जवाबी कार्रवाई तक सीमित रहता था, वहीं अब देश के भीतर सक्रिय जासूसी और घुसपैठ नेटवर्क को भी गंभीरता से निशाना बनाया जा रहा है।पिछले एक दशक में भारत की सुरक्षा को केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि आंतरिक स्तर पर भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। विदेशी तत्वों ने फर्जी पहचान पत्रों के जरिए सैन्य क्षेत्रों में घुसपैठ की कोशिश की, कई राज्यों में दस्तावेज़ धोखाधड़ी के नेटवर्क बनाए और संवेदनशील प्रतिष्ठानों में निगरानी उपकरण लगाने के प्रयास किए। पाकिस्तान की आईएसआई, चीन की खुफिया एजेंसियां, बांग्लादेशी आतंकी नेटवर्क और अन्य विदेशी तत्वों ने भारत में अपने प्रभाव का विस्तार करने की कोशिश की है। हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इन प्रयासों को लगातार नाकाम किया है। कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, उनके सहयोगियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए और देश के भीतर फैले नेटवर्क पर कड़ा शिकंजा कसा गया। यह कार्रवाई एक बहुस्तरीय संस्थागत ढांचे के तहत संचालित हो रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मामलों की जांच और अभियोजन का नेतृत्व कर रही है। खुफिया ब्यूरो (आईबी) आंतरिक खुफिया सूचनाओं का समन्वय करता है, जबकि अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग (रॉ) विदेशी एजेंटों और सीमा पार नेटवर्क पर निगरानी रखता है।इसके अलावा सशस्त्र सीमा बल, सीमा सुरक्षा बल, सेना और विभिन्न राज्य पुलिस बलों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की यह सशक्त काउंटर-इंटेलिजेंस रणनीति राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती दे रही है।

## "पागलों को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे" डोनाल्ड ट्रंप

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ संघर्ष इसलिए कर रहा है क्योंकि "पागलों को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती।" एक सार्वजनिक कार्यक्रम में उत्साहित समर्थकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने से रोकना अमेरिका की प्राथमिकता है। उन्होंने दावा किया कि हालिया तनाव के बावजूद युद्धविराम के बाद अब सक्रिय शत्रुता समाप्त हो चुकी है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के साथ कूटनीतिक संपर्क जारी हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, तेहरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका के सामने बातचीत का एक नया प्रस्ताव रखा है। हालांकि ट्रंप ने संकेत दिया कि वे इस प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना था कि ईरान ऐसी रियायतों की मांग कर रहा है जिन्हें अमेरिका स्वीकार नहीं कर सकता।ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन वहां का नेतृत्व बिखरा हुआ है और स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने दावा किया कि युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इसी क्रम में व्हाइट हाउस ने अमेरिकी कांग्रेस को भी सूचित किया है कि ईरान के साथ शत्रुता समाप्त हो गई है। हालांकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, क्योंकि अमेरिकी सशस्त्र बल अब भी पश्चिम एशिया क्षेत्र में तैनात हैं। इस कारण ट्रंप के दावे को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि जमीनी स्तर पर तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब युद्ध शक्ति संकल्प के तहत 1 मई की समय सीमा बिना किसी ठोस कार्रवाई के गुजर गई। इस कानून के अनुसार, राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई के 60 दिनों के भीतर कांग्रेस की मंजूरी लेनी होती है। ट्रंप ने इस कानून को असंवैधानिक बताया है।

# जर्मनी से अमेरिकी सैनिक हटाने के संकेत से बढ़ी वैश्विक हलचल

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक ताजा सोशल मीडिया पोस्ट ने अमेरिका और यूरोप की राजनीति में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिका जर्मनी में तैनात अपने सैनिकों की संख्या कम कर सकता है या उन्हें पूरी तरह वापस बुला सकता है। इस बयान ने पेंटागन और नाटो सहयोगियों को असमंजस में डाल दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद ही अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारियों को इस संभावित योजना की जानकारी मिली। हाल ही में पेंटागन ने दुनिया भर में तैनात अमेरिकी सैनिकों की समीक्षा की थी, लेकिन उसमें यूरोप से सैनिकों की वापसी का कोई उल्लेख नहीं था। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका का ध्यान फिलहाल ईरान से जुड़े सैन्य तनाव पर केंद्रित था और जर्मनी से पीछे हटना रणनीतिक योजना का हिस्सा नहीं माना जा रहा था। इस विवाद की शुरुआत जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिख मर्ज के बयान से हुई। उन्होंने ईरान को लेकर अमेरिका की सैन्य नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वाशिंगटन के पास स्पष्ट एग्जिट स्ट्रेटेजी नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जर्मनी इस संघर्ष में अमेरिका का आंख मूंदकर समर्थन नहीं करेगा।ट्रंप ने इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जर्मनी अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर है, लेकिन सहयोग के समय पीछे हट जाता है। उन्होंने जर्मन नेतृत्व को अपने देश के ऊर्जा संकट और आर्थिक चुनौतियों पर ध्यान देने की सलाह दी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिका जर्मनी से अपने लगभग 38,000 सैनिक वापस बुलाता है, तो इसका असर केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहेगा। जर्मनी स्थित रमस्टीन एयरबेस अमेरिका के वैश्विक सैन्य अभियानों का प्रमुख केंद्र माना जाता है। सैनिकों की वापसी से नाटो की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता प्रभावित हो सकती है, जबकि पोलैंड और बाल्टिक देशों जैसे रूस से चिंतित देशों में असुरक्षा बढ़ सकती है।

## संपादक की कलम से

**जल जीवन का आधार है। मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ और आज भी कृषि, उद्योग, ऊर्जा तथा दैनिक जीवन की लगभग हर गतिविधि जल पर निर्भर है। इसके बावजूद विडंबना यह है कि जिस संसाधन के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं, वही आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक हिस्सों में जल संकट लगातार गहराता गया है। कहीं भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है, कहीं नदियाँ सिकुड़ रही हैं, तो कहीं वर्षा का असंतुलन स्थिति को और जटिल बना रहा है। गर्मियों के दिनों में कई शहरों और गाँवों में पीने के पानी की कमी सामान्य समस्या बन चुकी है। यह केवल प्राकृतिक कारणों का परिणाम नहीं, बल्कि मानव गतिविधियों से उत्पन्न असंतुलन का भी नतीजा है। जनसंख्या वृद्धि, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन, जल स्रोतों का अतिक्रमण और जल प्रदूषण ने समस्या को गंभीर बना दिया है। कई स्थानों पर वर्षा का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उसका संचयन नहीं हो पाता, जिससे बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। दूसरी ओर, खेती और उद्योगों में पानी के असंतुलित उपयोग से उपलब्ध संसाधनों पर दबाव और बढ़ जाता है। जल संकट केवल संसाधन की कमी का प्रश्न नहीं है। इसका सीधा प्रभाव खाद्य सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक स्थिरता पर पड़ता है। जब जल सीमित होता है, तो उसके वितरण को लेकर विवाद बढ़ते हैं। आने वाले समय में यह संकट केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक तनाव का कारण भी बन सकता है।समाधान केवल नई योजनाएँ बनाने में नहीं, बल्कि जल के प्रति दृष्टिकोण बदलने में है। वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, नदियों और तालाबों का पुनर्जीवन, सिंचाई के आधुनिक तरीके और शहरी जल प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। साथ ही, जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। प्रत्येक नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। घरों में पानी की बचत, रिसाव रोकना, अनावश्यक उपयोग से बचना और स्थानीय जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना छोटे कदम हैं, लेकिन व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं। स्पष्ट है कि जल संकट भविष्य की नहीं, वर्तमान की चुनौती है। यदि आज हम इसके प्रति गंभीर नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के सामने केवल विकास का नहीं, अस्तित्व का प्रश्न खड़ा हो सकता है। सच्चाई यह है कि जल का संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है।**

# तमिलनाडु में सरकार बनाने का टीवीके का भरोसा

## विजय को मुख्यमंत्री बनाने का पार्टी ने किया ऐलान

**अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम ने तमिलनाडु में 180 से 200 सीटें जीतकर सरकार बनाने का दावा किया है। हालांकि अधिकांश एग्जिट पोल एम. के. स्टालिन की द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम की वापसी के संकेत दे रहे हैं। 4 मई को तस्वीर साफ होगी।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। एग्जिट पोल के अनुमानों के बीच अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि अगली सरकार उसी की बनेगी। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि टीवीके न केवल उल्लेखनीय प्रदर्शन करेगी, बल्कि पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आएगी और विजय तमिलनाडु के अगले मुख्यमंत्री होंगे। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान हुआ था। राज्य में 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जिसे राजनीतिक विश्लेषक परिवर्तन की संभावनाओं से जोड़कर देख रहे हैं। मतगणना 4 मई को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जाएगी, लेकिन उससे पहले राजनीतिक दलों के दावे और एग्जिट पोल के अनुमान लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। टीवीके की कार्यकारी समिति के मुख्य समन्वयक के. ए. सेंगोत्तैयान ने शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के आत्मविश्वास को खुलकर सामने रखा। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई स्थिति नहीं है जिसमें पार्टी बहुमत से दूर रह जाए। उनके अनुसार टीवीके का लक्ष्य 180 से 200 सीटें जीतना है और पार्टी उसी दिशा में आगे बढ़ रही है। सेंगोत्तैयान ने कहा कि विजय दूरदर्शी सोच वाले नेता हैं और आने वाले समय में तमिलनाडु को नई दिशा देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 का चुनाव विजय के राजनीतिक जीवन का ऐतिहासिक पड़ाव साबित होगा। उनके मुताबिक विजय ने राजनीति में आने के बाद कई चुनौतियों का सामना किया है, विरोधियों के तीखे हमलों के बावजूद वे लगातार जनता के बीच सक्रिय रहे हैं। पार्टी का मानना है कि इस बार जनता पारंपरिक दलों से अलग विकल्प तलाश रही है और यही कारण है कि टीवीके को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। हालांकि अधिकांश एग्जिट पोल टीवीके के इस दावे से पूरी तरह सहमत नजर नहीं आते। कई एग्जिट पोल में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) की सत्ता में वापसी की संभावना जताई गई है। इन अनुमानों के अनुसार विजय की पार्टी चुनाव में उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करा सकती है, लेकिन अकेले दम पर सरकार बनाने की स्थिति में पहुंचना मुश्किल माना जा रहा है।इसके बावजूद कुछ एग्जिट पोल ने तमिलनाडु की तस्वीर को रोचक बना दिया है। एक्सिस माई इंडिया और टुडेज़ चाणक्य के अनुमानों ने संकेत दिया है कि चुनाव परिणाम त्रिशंकु स्थिति भी पैदा कर सकते हैं। एक्सिस माई इंडिया के अनुसार टीवीके को 98 से 120 सीटें मिल सकती हैं, जबकि टुडेज़ चाणक्य ने उसके लिए लगभग 63 सीटों का अनुमान जताया है, जिसमें 11 सीटों का अंतर संभव बताया गया है। इन अनुमानों के बाद राज्य की राजनीति में संभावित 'किंगमेकर' की चर्चा भी तेज हो गई है। हालांकि टीवीके ने चुनाव बाद किसी भी प्रकार के गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। पार्टी ने साफ कहा है कि उसका अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (एआईएडीएमके) या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ सरकार बनाने का कोई इरादा नहीं है। अब सबकी निगाहें 4 मई पर टिकी हैं, जब मतगणना के साथ यह साफ हो जाएगा कि विजय का आत्मविश्वास जनता के समर्थन में बदलता है या तमिलनाडु एक बार फिर पारंपरिक राजनीतिक दलों पर भरोसा जताता है। परिणाम चाहे जो भी हों, इतना तय है कि इस चुनाव ने तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की भूमिका तैयार कर दी है।

# एग्जिट पोल पर भंवर जितेंद्र सिंह का तीखा हमला

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

असम विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। कांग्रेस ने राज्य में अपनी जीत का भरोसा जताते हुए एग्जिट पोल के अनुमानों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस बार जनता का मूड बदला हुआ है और भ्रष्टाचार, माफिया राज तथा प्रशासनिक असंतोष जैसे मुद्दों पर मतदाताओं ने बदलाव का मन बना लिया है। कांग्रेस के असम चुनाव प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि पार्टी जनता के भरोसे चुनाव जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह बेहद सकारात्मक संकेत है कि लोगों का विश्वास कांग्रेस की ओर बढ़ा है। सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार और माफिया राज जैसे मुद्दों से जनता परेशान है और इसी कारण सत्ता परिवर्तन की संभावना मजबूत हुई है। उन्होंने एग्जिट पोल पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये पहले भी गलत साबित होते रहे हैं। उनके मुताबिक लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को 400 से अधिक सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, जबकि वास्तविकता में पार्टी 250 सीटों तक भी नहीं पहुंच सकी। पश्चिम बंगाल में पुनर्मतदान के मुद्दे पर भंवर जितेंद्र सिंह ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पर राजनीतिक दलों का भरोसा कमजोर हुआ है और वह निष्पक्ष संस्था की तरह काम नहीं कर रहा। सिंह ने कहा कि आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लग रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि मतगणना निष्पक्ष ढंग से हो सके।कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने भी एग्जिट पोल को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी उम्मीदवारों और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ लगातार बैठकें कर रही है। बघेल ने कहा कि एग्जिट पोल अक्सर पिछले चुनावों की नकल होते हैं और शायद ही कभी सही साबित होते हैं।

# कथित हेट स्पीच मामले में एफआईआर पर

## सुप्रीम कोर्ट का साफ इनकार

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के कथित भड़काऊ भाषणों से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता, इसलिए एफआईआर दर्ज करने का आधार नहीं है। इस फैसले के बाद राजनीतिक और कानूनी हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की। पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि दोनों नेताओं के भाषणों से न तो सांप्रदायिक हिंसा भड़की और न ही सार्वजनिक अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई। अदालत ने कहा कि भाषणों, 26 फरवरी 2020 की स्थिति रिपोर्ट और निचली अदालतों के अभिलेखों की समीक्षा के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि संज्ञेय अपराध का मामला नहीं बनता। यह विवाद जनवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों से जुड़ा है। वृंदा करात और के.एम. तिवारी ने आरोप लगाया था कि इन भाषणों में घृणा फैलाने वाले तत्व मौजूद थे। उन्होंने पहले दिल्ली पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग की, लेकिन इनकार होने पर मामला राउज़ एवेन्यू अदालत पहुंचा। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने एक महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु स्पष्ट किया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 196 के तहत पूर्व स्वीकृति केवल मजिस्ट्रेट द्वारा संज्ञान लेने के समय आवश्यक होती है, एफआईआर दर्ज करने या जांच शुरू करने के लिए नहीं। अदालत ने कहा कि यदि सूचना से संज्ञेय अपराध का संकेत मिलता है तो पुलिस के लिए एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है। इसके साथ ही न्यायालय ने कानून के शासन और निष्पक्ष जांच प्रक्रिया की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

# रोहित जैन बने आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर

## तीन साल के लिए मिली अहम जिम्मेदारी

केंद्र सरकार की नियुक्ति समिति (अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट – ACC) ने वरिष्ठ बैंकिंग अधिकारी रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक के नए डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है और यह 3 मई 2026 या उसके बाद से प्रभावी मानी जाएगी। रोहित जैन वर्तमान डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। यह नियुक्ति भारतीय रिजर्व बैंक के प्रशासनिक ढांचे में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखी जा रही है। रोहित जैन इससे पहले दिसंबर 2020 से आरबीआई में कार्यकारी निदेशक (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने सुपरविजन विभाग के अंतर्गत रिस्क, एनालिटिक्स और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभाली। पिछले महीने केंद्र सरकार ने डिप्टी गवर्नर पद के लिए आरबीआई के चार कार्यकारी निदेशकों का साक्षात्कार लिया था, जिसमें अंततः रोहित जैन के नाम को मंजूरी दी गई। रोहित जैन के पास भारतीय रिजर्व बैंक में लगभग तीन दशक का अनुभव है। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने बैंकिंग सुपरविजन, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय नियमन और बैंकिंग संचालन जैसे कई अहम क्षेत्रों में कार्य किया है। वित्तीय प्रणाली की गहरी समझ और प्रशासनिक दक्षता के कारण उन्हें आरबीआई के भरोसेमंद अधिकारियों में

गिना जाता है। शैक्षणिक दृष्टि से भी रोहित जैन की पृष्ठभूमि अत्यंत मजबूत रही है। उन्होंने कॉमर्स में स्नातकोत्तर (एम.कॉम.) तथा बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर (एमबीए) की डिग्री प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बैंकिंग रिस्क एंड रेगुलेशन में इंटरनेशनल सर्टिफिकेट (ICRR) हासिल किया है। साथ ही वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस से सर्टिफाइड एसोसिएट (CAIIB) भी हैं। रोहित जैन एक प्रमाणित बैंक प्रशिक्षक भी हैं, जो उनकी पेशेवर दक्षता और अकादमिक गहराई को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक में कुल चार डिप्टी गवर्नर होते हैं। इनमें से दो की नियुक्ति आमतौर पर आरबीआई के भीतर से पदोन्नति के आधार पर की जाती है, जबकि दो अन्य डिप्टी गवर्नर बाहरी क्षेत्रों से चुने जाते हैं। रोहित जैन के साथ एस. सी. मुर्मू दूसरे ऐसे डिप्टी गवर्नर हैं, जिन्हें हाल के समय में आरबीआई के भीतर से पदोन्नत किया गया है। इससे पहले अक्टूबर 2025 में एस. सी. मुर्मू को भी इसी प्रकार जिम्मेदारी सौंपी गई थी।वर्तमान में आरबीआई के अन्य दो डिप्टी गवर्नर बाहरी पृष्ठभूमि से आते हैं। इनमें प्रसिद्ध अर्थशास्त्री पूनम गुप्ता और वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े स्वामीनाथन जे., जो भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक रह चुके हैं, शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, रोहित जैन को निवर्तमान डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर के अधीन रहे कुछ महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इनमें फाइनेंशियल मार्केट रेगुलेशन, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, तथा पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम जैसे प्रमुख विभाग शामिल हैं। इन विभागों का देश की मौद्रिक स्थिरता और वित्तीय प्रणाली की कार्यकुशलता में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है।

## विश्व एथलेटिक्स रिले में भारत की बड़ी चुनौती

भारत की 21 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम शनिवार से विश्व एथलेटिक्स रिले 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम की अगुवाई भारतीय स्टार स्प्रिंटर अनिमेष कुजूर कर रहे हैं। इस दल में आठ महिला एथलीट भी शामिल हैं। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य अगले वर्ष होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करना है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत पांच अलग-अलग रिले स्पर्धाओं में भाग ले रहा है। पहले दिन भारतीय चुनौती की शुरुआत मिश्रित 4x100 मीटर रिले के क्वालीफाइंग राउंड से होगी। इसके बाद मिश्रित 4x400 मीटर, महिलाओं की 4x100 मीटर, पुरुषों की 4x100 मीटर और पुरुषों की 4x400 मीटर स्पर्धाओं के पहले दौर की क्वालीफाइंग रेस आयोजित की जाएंगी। भारतीय एथलेटिक्स के लिए यह प्रतियोगिता बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमें अगले साल होने वाली विश्व चैंपियनशिप में स्थान सुनिश्चित करेंगी। भारतीय एथलीटों के लिए यह केवल पदक की दौड़ नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी गति और सामूहिक तालमेल साबित करने का बड़ा मंच भी है। विशेष ध्यान मिश्रित 4x100 मीटर रिले पर रहेगा। यह स्पर्धा हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स में तेजी से लोकप्रिय हुई है। इसका वैश्विक पदार्पण पिछले संस्करण में हुआ था और अब यह विश्व रिले की प्रमुख आकर्षक स्पर्धाओं में शामिल हो चुकी है। भारत की युवा टीम इस नई स्पर्धा में प्रभावशाली प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम में अनुभव और युवा जोश का संतुलन देखने को मिल रहा है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि यह संयोजन भारत को बेहतर परिणाम दिला सकता है। खासकर स्प्रिंट स्पर्धाओं में भारत ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है और यही आत्मविश्वास अब विश्व स्तर पर भी दिखाई देने की उम्मीद है।

## दिल्ली से हार के बाद राजस्थान रॉयल्स को दोहरा झटका,

# चोटिल हुए कप्तान रियान पराग

## मिशेल स्टार्क की दमदार वापसी

आईपीएल 2026 में जयपुर में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के बाद वेस्ट इंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने दिल्ली की गेंदबाजी इकाई और विशेष रूप से ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। ईएसपीएनक्रिकइंफो के टाइमआउट शो में बातचीत के दौरान बिशप ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद स्टार्क की वापसी को लेकर उनके मन में कुछ सवाल थे। उन्हें यह जानने की उत्सुकता थी कि चोट से उबरने के बाद स्टार्क किस लय में लौटेंगे। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन कर सभी शंकाओं को दूर कर दिया। आईपीएल 2026 में अपना पहला मैच खेल रहे स्टार्क ने आक्रामक गेंदबाजी करते हुए तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा और पारी के अधिकांश हिस्से में विपक्ष को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। बिशप ने कहा कि अगर आखिरी ओवर में कुछ अतिरिक्त रन नहीं बनते तो स्टार्क के आंकड़े और भी बेहतर हो सकते थे।बिशप ने दिल्ली कैपिटल्स की समग्र गेंदबाजी रणनीति की भी प्रशंसा की। उनका मानना है कि टीम के पास विदेशी तेज गेंदबाजों के रूप में मजबूत विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य के मैचों में लुंगी एनगिडी और मिशेल स्टार्क की जोड़ी दिल्ली के लिए बेहद प्रभावी साबित हो सकती है। उनके अनुसार दो विदेशी बल्लेबाजों और दो विदेशी तेज गेंदबाजों का संयोजन टीम को अच्छा संतुलन देगा।

## करियर की 350वीं जीत के साथ

# सिनर का नया कीर्तिमान

विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए मैड्रिड ओपन में पहली बार फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उन्होंने फ्रांस के आर्थर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराकर अपने करियर की 350वीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिनर का लगातार जीत का सिलसिला 22 मैचों तक पहुंच गया है। मैड्रिड ओपन में यह उपलब्धि सिनर के लिए खास इसलिए भी है क्योंकि उन्होंने पहली बार इस प्रतिष्ठित क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जर्मनी के एलेक्जेंडर ज़्वेरेव से होगा। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज़्वेरेव ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीत चुके हैं।

यदि वह मैड्रिड ओपन भी जीत लेते हैं, तो लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। इटली के इस युवा स्टार ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। वह 2000 के दशक में जन्मे पहले ऐसे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीतने का आंकड़ा छुआ है। यह उनके लगातार शानदार प्रदर्शन और विश्व टेनिस में बढ़ते दबदबे का संकेत माना जा रहा है।

## चेन्नई-मुंबई मुकाबले से पहले

# धोनी और रोहित की फिटनेस पर नजर

आईपीएल 2026 में शनिवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि क्या एमएस धोनी और रोहित शर्मा मैदान पर उतरेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की फिटनेस ने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने बताया कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग की चोट से तेजी से उबर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोहित की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है और वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हालांकि उनकी अंतिम उपलब्धता पर फैसला टीम की मेडिकल यूनिट की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा।रोहित इस सीजन में अब तक केवल चार मुकाबले ही खेल पाए हैं। हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण वह

मुंबई इंडियंस के पिछले चार मैचों से बाहर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने चेन्नई में नेट्स पर बल्लेबाजी अभ्यास किया, जिससे उनके खेलने की संभावना को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। जयवर्धने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम हर दिन रोहित की स्थिति की समीक्षा कर रही है। उन्होंने बताया कि अभ्यास सत्र के बाद यह देखा जाएगा कि अगले दिन रोहित कैसा महसूस करते हैं। माइकल हसी ने कहा कि टीम को धोनी की बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं है। चेन्नई और मुंबई के बीच होने वाले इस बड़े मुकाबले से पहले दोनों दिग्गजों की फिटनेस पर सबकी निगाहें टिकी हैं। प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि आईपीएल के इस क्लासिक मुकाबले में धोनी और रोहित दोनों एक बार फिर मैदान की रौनक बढ़ाएंगे।

## चीन की सबसे ठंडी कॉफी ने इंटरनेट पर मचाया गदर

हॉट कॉफी और कोल्ड कॉफी तो बहुत तरह के देखें होंगे, लेकिन माइनस 80 डिग्री टेंप्रेचर पर बनने वाली काफी का स्वाद चखना, अपने आप में एक अनोखा अनुभव होता है. इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक कॉफी खूब वायरल हो रही है. ऐसी कॉफी चाइना में मिलती है. इंटरनेट पर इन दिनों माइनस 80 डिग्री पर बनने वाली ये काफी काफी चर्चा में हैं. एक इंडियन महिला ने वीडियो शेयर कर इसके बनने से लेकर, इसका स्वाद चखने तक का पूरा वीडियो शेयर किया है. वीडियो की शुरुआत देखकर तो पहले डर लग जाता है कि आखिर इतनी ठंडी कॉफी लोग पीएंगे कैसे? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @swatiandprateek नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर की गई है. यह वीडियो यूजर के पर्सनल एक्सपीरियंस पर बेस्ड है.

### पायलट ने माइक थामकर किया महिला का शुक्रिया

# डोनट्स से खुशनुमा हुआ फ्लाइट का माहौल

एक सामान्य इंडिगो फ्लाइट उस समय खास बन गई, जब पायलट ने एक यात्री के लिए अलग अंदाज में अनाउंसमेंट किया. यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है साथ ही लोगों को काफी पसंद आ रहा है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर मनीक मेहता ने शेयर किया है. इसमें पायलट फ्लाइट के बीच माइक लेकर एक खास घोषणा करते नजर आते हैं. आमतौर पर जहां फ्लाइट में सुरक्षा और यात्रा से जुड़ी घोषणाएं सुनाई देती हैं, वहीं इस बार पायलट का अंदाज कुछ अलग था. पायलट ने कहा कि स्पेशल शाउटआउट मिस शेट्टी के लिए, जिन्होंने आज क्रू के लिए डोनट्स लाए. हम

पायलट ने महिला को कॉफी ऑफर की और शुक्रिया अदा किया.

ऐसे व्यवहार और दयालुता को प्रोत्साहित करते हैं. इस घोषणा ने तुरंत यात्रियों का ध्यान खींच लिया. इसके बाद पायलट ने मजाकिया अंदाज में उस यात्री को तलाशने की कोशिश की. उन्होंने पूछा कि क्या वह एयरलाइन से जुड़ी हैं या स्टाफ ट्रैवल पर हैं.

**लोगों का रिएक्शन वायरल**

**वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे खूब सराहा. कई यूजर्स ने कहा कि यह एक छोटा लेकिन दिल छू लेने वाला पल था. कुछ लोगों ने लिखा कि ऐसे जेस्चर फ्लाइट के अनुभव को खास बना देते हैं.वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि फ्लाइट क्रू के प्रति आभार जताना जरूरी है, क्योंकि वे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं.**

## मुंबई के फ्लैट का वीडियो देख चकराया लोगों का सिर

मुंबई के बांद्रा में अपने 2BHK फ्लैट की झलक दिखाती एक महिला का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में महिला ने इतना अधिक रेंट होने के बावजूद अपने फ्लैट को अंत में प्राइसलेस बताया है. ऐसा कहने के पीछे एक बड़ी वजह इस वीडियो में सामने आई है. वीडियो पर कई लोगों ने शहर में आसमान छूते किराए पर अपना ऑनलाइन रिएक्शन भी दिया है.यह वीडियो आर्य कोठारी नाम के शख्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है.

### एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

# 300 रूपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है

कि सिर्फ 300–400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है.

### मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

# आखिर कैसे बनती है 1 रूपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ कैमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है.

# ऑस्कर 2027 के नियमों में बड़ा बदलाव

# भारतीय फिल्मों को नई राह

ऑस्कर 2027 के लिए एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने इंटरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। इन नए नियमों को वैश्विक सिनेमा के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन इसका सबसे दिलचस्प असर भारत जैसे देशों पर पड़ सकता है, जहां हर साल ऑस्कर के लिए आधिकारिक प्रविष्टि के चयन को लेकर विवाद उठते रहे हैं। अब तक व्यवस्था यह थी कि किसी भी देश से केवल वही फिल्म ऑस्कर की इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में आगे बढ़ सकती थी, जिसे उस देश की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया हो। भारत में यह जिम्मेदारी फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) निभाता है। लेकिन नए नियमों के बाद यह स्थिति बदल गई है। एकेडमी की नई गाइडलाइंस के अनुसार, यदि कोई फिल्म दुनिया के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों—कान्स, वेनिस, टोरंटो, बर्लिन, सनडांस या बुसान—में शीर्ष पुरस्कार जीतती है, तो वह सीधे ऑस्कर की इंटरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी के लिए पात्र मानी जाएगी। इसका अर्थ यह है कि उस फिल्म को अपने देश की आधिकारिक एंट्री बनने की आवश्यकता नहीं होगी। फिल्म जगत में इस बदलाव को भारतीय सिनेमा के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई भारतीय फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली, लेकिन वे ऑस्कर की दौड़ में इसलिए शामिल नहीं हो सकीं क्योंकि उन्हें भारत की आधिकारिक प्रविष्टि नहीं चुना गया। इस संदर्भ में फिल्ममेकर पायल कपाड़िया की चर्चित फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' का उदाहरण सामने आ रहा है। यह फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में खूब सराही गई थी। जानकारों का मानना है कि यदि नए नियम पहले लागू होते, तो यह फिल्म भारत की आधिकारिक एंट्री बने बिना भी ऑस्कर की रेस में जगह बना सकती थी।भारत में ऑस्कर चयन प्रक्रिया को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठे हैं। वर्ष 2013 में इरफान खान अभिनीत फिल्म 'द लंचबॉक्स' को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रशंसा पाने के बावजूद इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि नहीं चुना गया था। इसकी जगह फिल्म 'द गुड रोड' को भेजा गया था। उस समय फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप सहित कई कलाकारों और फिल्मकारों ने चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए थे। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा पाने वाली फिल्मों को घरेलू चयन विवादों या संस्थागत राजनीति का उतना

सामना नहीं करना पड़ेगा। कुल मिलाकर, ऑस्कर 2027 के लिए घोषित ये नए नियम भारतीय फिल्मकारों के लिए नई उम्मीद लेकर आए हैं। इससे भारतीय सिनेमा की विविधता, स्वतंत्र सोच और वैश्विक पहचान को और मजबूत मंच मिलने की संभावना बढ़ गई है।

# यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की तबीयत बिगड़ी,

## सीने में दर्द और बेहोशी के बाद ICU में किया गया शिफ्ट

**यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सीने में दर्द और बेहोशी के बाद लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए। ICU में इलाज के बाद उनकी हालत स्थिर है। जांच रिपोर्ट सामान्य आई। पीएम मोदी और राहुल गांधी ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की, अटकलें कांग्रेस ने खारिज की।**

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, अजय राय को सीने में दर्द और घबराहट की शिकायत हुई, जिसके बाद वह बेहोश हो गए। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इमरजेंसी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज शुरू किया गया। बाद में उन्हें आईसीयू (ICU) में शिफ्ट कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर है और लगातार निगरानी में रखी जा रही है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद अजय राय ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, "बाबा विश्वनाथ की असीम कृपा और आप सभी की प्रार्थनाओं के आशीर्वाद से मैं अब बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर रहा हूं। आप सभी के प्रेम और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार। जल्द ही पूरी ऊर्जा के साथ जन सेवा में उपस्थित रहूंगा।" इस पोस्ट के बाद उनके समर्थकों में राहत की भावना देखी गई।बताया जा रहा है कि गुरुवार को भी अजय राय को सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। उस समय वह घर लौटते समय कार में ही बेहोश हो गए थे। इसके बाद उनकी तबीयत को लेकर चिंता बढ़ गई थी। शुक्रवार को पार्टी कार्यक्रम के दौरान उनकी हालत फिर बिगड़ गई। लखनऊ में शुक्रवार को कांग्रेस की ओर से श्रमिक दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षक और डॉक्टरों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में दिल्ली से अविनाश पांडेय, सुप्रिया श्रीनेत सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बाद अजय राय यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय को एयरपोर्ट छोड़ने गए थे और फिर पार्टी कार्यालय लौटे थे। वहीं पर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। स्थिति गंभीर होते देख उनके सहयोगी उन्हें तुरंत उनके आवास की ओर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी हालत और खराब हो गई। इसके बाद उन्हें तत्काल मेदांता अस्पताल पहुंचाया गया।अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि अजय राय को सीने में दर्द, बेचैनी और बेहोशी की शिकायत के साथ भर्ती किया गया था। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक की संभावना को देखते हुए ट्रॉप-टी और ट्रॉप-आई टेस्ट किए गए, जो सामान्य पाए गए। इसके अलावा स्ट्रोक की आशंका को खत्म करने के लिए ब्रेन का सीटी स्कैन भी कराया गया, जिसकी रिपोर्ट भी सामान्य आई है। डॉक्टरों ने बताया कि फिलहाल किसी गंभीर खतरे की स्थिति नहीं है। अजय राय की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार रात लगभग 11:54 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर पोस्ट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने लिखा कि उन्हें अजय राय के अस्वस्थ होने की जानकारी मिली है और वे उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। इसके बाद शनिवार सुबह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी ट्वीट कर अजय राय के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वह उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह जल्द स्वस्थ होकर फिर से पूरी ऊर्जा के साथ जनसेवा में सक्रिय होंगे। इसी बीच अजय राय की तबीयत को लेकर राजनीतिक अटकलें भी शुरू हो गई थीं।

## लखनऊ में ठंडी हवाओं के बाद तेज धूप, बढ़ेगा तापमान

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सुबह से 15 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चल रही हैं। सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे। इसके बाद मौसम साफ हो गया है। तेज चटक धूप निकल आई है। अब तापमान में बढ़ोतरी से गर्मी का असर फिर से बढ़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। 4 मई से मौसम के फिर बदलने का अनुमान है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 6.1 डिग्री कम रहा है। न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 2.3 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 86 फीसदी रहा। न्यूनतम आर्द्रता 47 फीसदी रहा। मौसम विभाग का कहना है कि 4 मई से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में फिर आंधी-तूफान और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। इससे तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसका असर 6 मई तक बना रहेगा। मौसम विभाग अनुमान है कि मई के शुरुआती 10 दिनों में प्रदेश में लू चलने की संभावना नहीं है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों को छोड़कर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों लखनऊ समेत अन्य इलाकों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से अधिक रह सकता है। खासकर उत्तरी तराई क्षेत्रों में लू सामान्य से ज्यादा दिन चल सकती है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में लू सामान्य स्तर पर रहने की संभावना है।

# लखनऊ में दरोगा का सुसाइड,

## लिखा-अब जीना नहीं चाहता

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में 34 साल के दरोगा ने सुसाइड कर लिया। उनका शव किराए के कमरे में फंदे से लटकता मिला। ASI सत्येंद्र वर्मा, पुलिस मुख्यालय पर तैनात थे। पुलिस को मिले चार पन्नों के सुसाइड नोट में लिखा- अब जीने की इच्छा खत्म हो गई है। शुक्रवार का यह मामला सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ का है। दरोगा मूलरूप से फतेहपुर के तामेश्वर नगर के रहने वाले थे। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि दरोगा की डेढ़ साल पहले इंस्टाग्राम पर युवती से मुलाकात हुई थी। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन बाद में ब्रेकअप हो गया था। वजह थी कि उसके पिता-भाई रिश्ते के खिलाफ थे। इसके बाद से दरोगा तनाव में थे। मां ने गर्लफ्रेंड पर पैसों के लिए परेशान करने का आरोप लगाया। पुलिस परिजन के आरोपों की भी जांच कर रही है। ASI सत्येंद्र वर्मा, 2023 में एएसआई (एम) के पद पर भर्ती हुए थे। लखनऊ पुलिस मुख्यालय में उनकी तैनाती 25 मार्च, 2024 को पासिंग आउट परेड के बाद की गई थी। लखनऊ के अहिमामऊ में किराए के कमरे में रहते थे। मां सुखरानी के अनुसार, सतेंद्र के पिता की मौत 2011 में हो चुकी थी। वे राजस्व विभाग में कानूनगो पद से रिटायर हुए थे। तीन बहनें संध्या, मधु और नेहा वर्मा हैं। सत्येंद्र तीसरे नंबर पर थे। वह घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। दरोगा के चचेरे भाई देवेंद्र वर्मा ने

बताया- नौकरी के साथ-साथ वह सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दो दिन से मां कॉल कर रही थी, लेकिन उसने रिसीव नहीं किया। कॉल रिसीव नहीं करने पर परिजन परेशान हुए तो मुझे बताया। शुक्रवार को मैं भाई के कमरे पर पहुंचा, तो कमरा अंदर से बंद था। अनहोनी की आशंका में मैंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़ा गया तो वह फंदे से लटक रहा था।

## सीआईएससीई रिजल्ट में लखनऊ की बेटियों का शानदार प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

CISCE के रिजल्ट्स में लखनऊ के मेधावियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। बारहवीं (ISC) के नतीजों में 99.75% स्कोर करने वाले टॉप 6 में से 5 स्थान बेटियों ने हासिल किए हैं। इनमें CMS की ओहसीन अग्रवाल, छवि मिश्रा, संस्कृति चंदेल और जैनब फातिमा शामिल हैं। वहीं जयपुरिया की अक्षिता बंसल ने भी टॉप स्कोर किया है। ISC में 99.75% स्कोर करने वाली ओहसीन कहती हैं कि उम्मीद से ज्यादा मार्क्स आए हैं। जितने नंबर मुझे मिले इसी की मुझे बहुत खुशी हैं। 3 विषयों में 100 मिले हैं। सिर्फ फिजिक्स में एक नंबर कम रह गया। फिजिक्स में 99 मिले हैं। पूरी तरह से मन लगाकर पढ़ाई की थी। उसी का नतीजा हैं कि ये रिजल्ट आया है। ओहसीन कहती हैं कि वो फिलहाल NEET की तैयारी कर रही हैं और आगे चलकर MBBS करना चाहती हैं। एमबीबीएस करने के बाद ऑंकोलॉजी या कार्डियो सर्जरी में सुपर स्पेशलिटी हासिल करना उनका लक्ष्य हैं। ओहसीन ने कहा कि मेरी सफलता में सबसे बड़ा योगदान मेरे पिता का रहा। उन्होंने मुझे

बहुत सपोर्ट किया, खूब मोटिवेट किया। कभी डाउन फील नहीं होने दिया। हमेशा मोटिवेट करते हुए कहा कि खूब मेहनत करो। सफलता जरूर हासिल होगी। ओहसीन बताती हैं कि जब वह सिलेबस की पढ़ाई से बोर हो जाती थीं, तो रिलैक्स होने के लिए फिक्शन किताबें पढ़ती थीं। रीडिंग उनका हॉबी है, जिससे उन्हें मानसिक शांति मिलती है। ओहसीन की मां सोनम अग्रवाल अपनी बेटी की सफलता पर बेहद गर्व महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि घर पर उन्होंने पूरा ध्यान रखा, लेकिन मेहनत ओहसीन ने खुद की है। ओहसीन के पिता और स्कूल टीचर्स का भी उन्हें पूरा सपोर्ट मिला। पिता का कहना है कि बेटी की मेहनत आज रंग लाई है।

## लखनऊ में सड़क हादसे में ज्योतिषी की मौत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के कृष्णानगर थानाक्षेत्र में बाइक से घर जा रहे ज्योतिषी की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे हादसे का शिकार हो गए। वहां मौजूद लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जय प्रकाश नगर, कृष्णा नगर निवासी अनुराग शुक्ला (50) ज्योतिषी थे। दोस्त दिनेश अवस्थी ने बताया कि गुरुवार को अवस्थी लॉन में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से लौटते समय करीब 11 बजे सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे हादसे का शिकार हो गए। वहां मौजूद लोगों ने गंभीर हालत में लोकबंधु अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टर उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिवार में पत्नी ऋचा शुक्ला और दो बेटियां हैं। दिनेश ने बताया कि परिवार पुलिस की सूचना पर पहुंचा था। अभी ये क्लियर नहीं हो पा रहा है कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है या बाइक स्लिप हुई है। सिंगारनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे अंडरपास का काम चल रहा है। जिसका सारा मटेरियल सड़क पर गलत तरीके से पड़ा है। उसमें भी बाइक स्लिप होने की संभावना है। अगर पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी चेक करेगी तो सब साफ हो जाएगा। निर्माण कार्य की वजह से वहां पहले भी कई लोग गिर चुके हैं। लेकिन विभाग कोई संज्ञान नहीं लेता।

# लखनऊ में समाधान दिवस के दौरान

## डीएम के सामने बेहोश हुई महिला

शनिवार को लखनऊ के सरोजनीनगर तहसील में आयोजित समाधान दिवस के दौरान एक महिला जिलाधिकारी विशाख जी. के सामने अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने तुरंत महिला को संभाला और प्राथमिक उपचार के बाद सरकारी वाहन से उसे सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत स्थिर बताई है। बेहोश हुई महिला की पहचान प्रिया यादव (45) निवासी अनौरा गांव, सरोजनीनगर के रूप में हुई है। वह समाधान दिवस में अपने पारिवारिक जमीन विवाद की शिकायत लेकर पहुंची थीं। प्रिया ने जिलाधिकारी के समक्ष बताया कि उनके परिवार की जमीन से जुड़ा मामला सरोजनीनगर एसडीएम न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन इसके बावजूद उनके जेठ इंद्रजीत यादव कथित रूप से विवादित जमीन पर निर्माण कार्य करा रहे हैं। प्रिया यादव ने बताया कि गाटा संख्या 347, 176, 346 और 813 की भूमि के बंटवारे को लेकर न्यायालय में वाद लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम निर्णय से पहले ही इंद्रजीत यादव और टिंकू यादव कई लोगों के साथ मिलकर जमीन पर कब्जे और निर्माण का प्रयास कर रहे हैं। विरोध

करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी भी दी जाती है। जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत रखने के बाद प्रिया पीछे हटकर खड़ी हो गईं। इसी दौरान उन्हें अचानक चक्कर आया और वह वहीं गिर पड़ीं। डीएम सहित अन्य अधिकारी तुरंत अपनी सीटों से उठकर उनके पास पहुंचे। महिला को कुर्सी पर बैठाकर पानी के छींटे मारे गए, लेकिन होश नहीं आने पर तत्काल अस्पताल भेजा गया। प्रिया ने अपने शिकायती पत्र में यह भी कहा कि उन्हें जो जमीन का हिस्सा दिया जा रहा है, वह वन विभाग की भूमि है। जब भी वह उस जमीन पर कोई कार्य करने जाती हैं, वन विभाग के कर्मचारी उन्हें रोक देते हैं। किसानों का आरोप है कि बिना उचित मुआवजे के उनकी निजी भूमि पर सड़क निर्माण और चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिससे उनकी आवासीय और व्यावसायिक संपत्ति प्रभावित हो रही है।

# उन्नाव में भाजपा जिला प्रशिक्षण वर्ग की तैयारी बैठक संपन्न

## कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय में आगामी 'जिला प्रशिक्षण वर्ग' की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण, अनुशासन और कार्यक्रम के सफल संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में हरदोई के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्ग प्रभारी कृष्ण शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसके प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। कृष्ण शास्त्री ने सभी पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ करें, ताकि आगामी प्रशिक्षण वर्ग को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिला प्रशिक्षण वर्ग पार्टी संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, कार्यशैली, संगठनात्मक ढांचे और अनुशासन की गहन जानकारी दी जाती है। उन्होंने सभी समितियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और सभी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें।अनुराग अवस्थी ने यह भी कहा कि संगठन

तभी मजबूत होता है जब सभी इकाइयाँ मिलकर एकजुट होकर काम करती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण वर्ग केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के वैचारिक और संगठनात्मक विकास का महत्वपूर्ण मंच है। इसलिए इसकी तैयारी में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु गठित विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों ने बैठक में अपने सुझाव और तैयारियों की जानकारी साझा की। क्षेत्रीय संयोजक नमामि गंगे एवं वर्ग संचालन समिति की प्रमुख सरोज सिंह चौहान ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की और आवश्यक सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग की सफलता के लिए हर स्तर पर सटीक योजना और समन्वय जरूरी है। पूर्व जिला महामंत्री बिपिन मिश्रा और वर्ग नियंत्रक आशीष बाजपेई 'अटल' ने भी प्रशिक्षण वर्ग के संचालन, सत्रों की रूपरेखा और विषय-वस्तु को लेकर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रशिक्षण सत्रों को अधिक प्रभावी और संवादात्मक बनाया जाए, ताकि कार्यकर्ता अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकें।बैठक के दौरान जिला महामंत्री रजनीश वर्मा, मनीष जायसवाल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, वर्ग व्यवस्था समिति और संचालन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, अनुशासित और प्रभावी बनाने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही यह भी तय किया गया कि सभी तैयारियों की नियमित समीक्षा की जाएगी ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रह जाए।अंत में बैठक को सफल और परिणामोन्मुख बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती और प्रशिक्षण वर्ग की सफलता हेतु पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया।

## उन्नाव में गंगा कटान रोकने का काम जारी

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव जिले में गंगा नदी के बढ़ते कटान को रोकने के लिए प्रशासन और सिंचाई विभाग द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। पश्चिमी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत मिश्रा घाट पर कटान रोधी परियोजना के तहत पिलर लगाने और घाट को मजबूत करने का काम जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब तक लगभग 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष 60 प्रतिशत काम को मानसून से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि कटान से होने वाले नुकसान को रोका जा सके। सिंचाई विभाग की ओर से यह परियोजना गंगा किनारे होने वाले कटान को रोकने और घाट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। मिश्रा घाट क्षेत्र लंबे समय से कटान की समस्या से जूझ रहा था, जिससे आसपास के निवासियों और श्रद्धालुओं को काफी परेशानी होती थी। स्थानीय निवासी नवल गुप्ता ने इस पहल की सराहना की है। उन्होंने बताया कि इस कार्य से न केवल गंगा की धाराओं को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, बल्कि घाट की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। गुप्ता के अनुसार, यह घाट काफी पुराना और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जहां लोग नियमित रूप से स्नान और पूजा-अर्चना के लिए आते हैं, खासकर सोमवार और अन्य धार्मिक अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।

## उन्नाव में युवक की करंट लगने से मौत

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव जिले में शनिवार दोपहर एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना अचलगंज थाना क्षेत्र के गहरा इलाके में हुई, जहां पानी में उतरे बिजली के करंट की चपेट में आने से 26 वर्षीय धर्मेंद्र की जान चली गई। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान हसनगंज थाना क्षेत्र के भगवाकोल निवासी राकेश के पुत्र धर्मेंद्र (26) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र किसी काम से गहरा क्षेत्र में गए थे। बताया जा रहा है कि वहां मौजूद पानी में अचानक बिजली का करंट उतर आया, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं हो सकी। जैसे ही वह पानी के संपर्क में आए, तेज झटके से गिर पड़े। घटना देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्काल धर्मेंद्र को वहां से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पानी में करंट कैसे उतरा। प्राथमिक तौर पर बिजली विभाग की लापरवाही की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। परिजनों के अनुसार, धर्मेंद्र परिवार के जिम्मेदार सदस्य थे और उनकी आकस्मिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में मातम पसरा हुआ है और परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## उन्नाव: सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम घनश्याम मीना ने सुनीं शिकायतें

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव की तहसील पुरवा में शनिवार को 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया।इस दौरान जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके सेकिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, इस समाधान दिवस में कुल 99 शिकायतों में से केवल 10 का ही निस्तारण हो सका, जिससे अफसरों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हुए हैं। समाधान दिवस के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने पुलिस, राजस्व, विकास, पूर्ति, नगर पालिका, समाज कल्याण, कृषि और अन्य विभागों से जुड़ी अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को बुलाकर शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायत जिस रूप में प्राप्त हो रही है, उसका निस्तारण भी उसी अनुरूप होना चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे केवल बाबुओं द्वारा तैयार की गई आख्या पर भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं मामलों में रुचि लेकर मौके पर जाकर जांच करें। जिन शिकायतों की जांच आवश्यक है, उनमें स्थल निरीक्षण कर उसकी फोटो भी प्रस्तुत की जाए। साथ ही, निस्तारण के बाद गुणवत्तापूर्ण आख्या ऑनलाइन अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के लिए टीम बनाकर कार्य करने के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आईसीडीएस, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पूर्ति और अन्य विभागों की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। कार्यक्रम के समापन पर जिलाधिकारी ने तहसील पुरवा से संबंधित 'राजस्व दर्शनि' पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर एसएसपी जयप्रकाश सिंह, उपजिलाधिकारी पुरवा प्रवेश श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी पुरवा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना निदेशक तेजवंत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## उन्नाव: मुख्यमंत्री आवास योजना में बड़ा घोटाला उजागर

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव के नवाबगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत रैनापुर में मुख्यमंत्री आवास योजना में बड़ी अनियमितता सामने आई है। जांच में पता चला है कि पांच लाभार्थियों को दो-दो बार आवास योजना का लाभ दिया गया। इस गंभीर लापरवाही और सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में ग्राम पंचायत सचिव सुशील कुमार को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब शिकायतकर्ता शाहीन बेगम ने अपने खाते में आवास की धनराशि न आने की शिकायत की। जांच में सामने आया कि शाहीन बेगम को लगभग 10 वर्ष पहले इंदिरा आवास योजना के तहत 70 हजार रुपये मिल चुके थे और उनका पक्का मकान भी बना हुआ था। इसके बावजूद, सचिव ने वर्ष 2025-26 में उन्हें दोबारा निराश्रित महिला श्रेणी में चयनित कर लिया। इसी प्रकार, गांव की आफरीन पत्नी कुदरत अली, बदरुन्निशा पत्नी हनीफ, गंगाजली पत्नी रामपाल और शांति पत्नी प्रकाश को भी पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका था। इसके बावजूद, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना में दोबारा शामिल कर लिया गया। प्रत्येक लाभार्थी के खाते में पहली किस्त के रूप में 40-40 हजार रुपये भी भेज दिए गए थे। नवाबगंज के बीडीओ शशांक चौधरी ने बताया कि फरवरी माह में हुई जांच में सचिव सुशील कुमार को कर्तव्यों का सही निर्वहन न करने, योजना के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने और सरकारी धन के दुरुपयोग का दोषी पाया गया था। इसके बाद, उनके निलंबन की संस्तुति जिला विकास अधिकारी देव कुमार चतुर्वेदी को भेजी गई थी। सेक्टर प्रभारी को भी अपात्रों को पात्र घोषित करने और इस गड़बड़ी में सहयोग करने के लिए कार्रवाई का प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि, यह मामला लंबे समय तक लंबित रहा और अब जाकर प्रशासन ने इस पर कार्रवाई की है।

## उन्नाव में मृत व्यक्ति को जिंदा दिखाकर जमीन हड़पी

**उन्नाव जिले में जमीन हड़पने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इसमें एक मृत व्यक्ति को जिंदा दिखाकर उसके नाम पर फर्जी बैनामा कराने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दंपति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मौरावां क्षेत्र के हिलौली ब्लॉक स्थित गढ़ीथोक गांव निवासी श्रीराम पुत्र रामस्वरूप ने 15 अप्रैल को दही थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। श्रीराम ने आरोप लगाया कि वह पिछले लगभग 40 सालों से जिस भूमि पर खेती कर रहे हैं, उसे धोखाधड़ी और जालसाजी से हड़पने का प्रयास किया गया। शिकायत के अनुसार, यह जमीन मूल रूप से शिवराम पुत्र शिवदीन के नाम दर्ज थी, जिनकी करीब 35 से 40 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। शिकायत में बताया गया है कि मौरावां क्षेत्र के ग्राम बरदहा निवासी शिवम द्विवेदी और हिलौली क्षेत्र के ग्राम केशी की रहने वाली गुलनाज पत्नी मोहम्मद इस्लाम ने आपराधिक साजिश रची। उन्होंने फर्जी दस्तावेज तैयार किए और मदारी नामक व्यक्ति को मृत शिवराम के रूप में प्रस्तुत कर उसके नाम से फर्जी बैनामा करा लिया। इस प्रकार आरोपियों ने मृतक को जीवित दिखाकर जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। साक्ष्य संकलन के दौरान धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचना के पुख्ता प्रमाण मिले, जिसके आधार पर मुकदमे में षड्यंत्र की धाराएं भी जोड़ी गईं। पुलिस टीम ने हिलौली क्षेत्र के ग्राम खागा निवासी केशन, मोहम्मद इस्लाम और उसकी पत्नी गुलनाज को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मुख्य नामजद आरोपी शिवम द्विवेदी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।**

# हाथरस में 101 पानी टंकियों का भव्य लोकार्पण कार्यक्रम

## डीएम, एसपी और सीडीओ ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया शुभारंभ

**हाथरस में विश्व हिंदू परिषद द्वारा 101 पानी टंकियों के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। डीएम अतुल वत्स ने इसे पशु-पक्षियों की सेवा का पुण्य कार्य बताया। प्रशासन ने जल संरक्षण व गौसेवा की सराहना की और समाजसेवियों से ऐसे मानवीय कार्यों में आगे आने की अपील की।**

विश्व हिंदू परिषद, जनपद हाथरस द्वारा तालाब चौराहा स्थित कार्यक्रम स्थल पर "101 पानी की टंकियों का लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अतुल वत्स, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि भीषण गर्मी के दृष्टिगत पशु-पक्षियों एवं गौवंश के लिए पेयजल की व्यवस्था करना एक पुण्य एवं मानवीय कार्य है। जल संरक्षण एवं जीव-जंतुओं की सेवा के उद्देश्य से स्थापित की जा रही पानी की टंकियां/नाद समाज में सेवा, संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों का संदेश देंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी को देखते हुए पशु-पक्षियों के लिए जल उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों में सभी नागरिकों को बढ़-चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद द्वारा किए जा रहे इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि आप सभी ने जिस उद्देश्य के साथ इस पुनीत कार्य में सहभागिता की है, उसके लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं। आप लोग इस भीषण गर्मी में बेजुबान पशुओं के लिए पानी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का कार्य कर रहे हैं। वास्तव में यह केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि आपके श्रेष्ठ संस्कारों और संवेदनशील सोच का परिचायक है। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी अपने परिवार और बच्चों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। जब बच्चों को भूख या प्यास लगती है तो वे अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन बेजुबान पशु अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में उनके बारे में सोचना तथा उनके लिए पानी और छाया की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य एवं परोपकार का कार्य है। समाज में ऐसे प्रयास ही मानवता को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि विश्व हिंदू परिषद एवं समाजसेवियों द्वारा गौशालाओं के लिए पानी की टंकियां एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी दान स्वरूप उपलब्ध कराई जा रही है। इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं एवं समाजसेवियों के प्रति जिलाधिकारी ने हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु अभी प्रारंभ ही हुई है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में हमें प्रयास करना चाहिए कि अधिक से अधिक स्थानों पर पशुओं एवं पक्षियों के लिए पानी, छाया एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मुहिम में प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी तो प्रशासन सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

## जौनपुर में शादी से पहले दूल्हे की गोली मारकर हत्या

यूपी के जौनपुर में बारात लेकर जा रहे 22 साल के दूल्हे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार रात 9 बजे दो बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने ओवरटेक करके दूल्हे की कार को रोका और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। दूल्हे के पेट में दो और जबड़े पर एक गोली लगी। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के बाद जब तक लोग कुछ समझ पाते, आरोपी वहां से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बारातियों से पूछताछ की। मामला जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र का है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बडऊर गांव के रहने वाले रामलखन के बेटे आजाद की शुक्रवार को शादी थी। आजाद पुणे में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। उसकी बारात 20 किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव के लिए रात 8 बजे निकली। बारात में तीन गाड़ियां थीं। एक में दूल्हा और बाकी दोनों गाड़ियों में परिवार के लोग बैठे थे। दूल्हे के छोटे भाई आकाश ने बताया- भाई मोबाइल में व्यस्त था। मनेछा गांव के पास बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश आए। बाइक की नंबर प्लेट पर कपड़ा बंधा हुआ था। बदमाशों ने ओवरटेक कर दूल्हे की गाड़ी रोकी और फायरिंग करने लगे। आकाश ने बताया- दूल्हे को तीन गोलियां लग गईं। गाड़ी का ड्राइवर दूल्हे को छोड़कर जान बचाकर भाग गया। दूल्हे की गाड़ी के पीछे बारात की दोनों गाड़ियां थीं। बदमाशों के भागने के बाद हम लोग दूल्हे की कार के पास पहुंचे। दरवाजा खोला तो भाई खून से लथपथ था। उसे पास के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ याचिका खारिज की

इलाहाबाद हाईकोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर दायर याचिका को रद्द कर दिया है। राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस के खिलाफ बयान दिया था। इसी बयान के खिलाफ FIR दर्ज करने की याचिका दाखिल हुई थी। इस मामले में 9 अप्रैल को हाईकोर्ट के जस्टिस विक्रम डी. चौहान की सिंगल बेंच सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया था। शुक्रवार को कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने कहा है कि संसदीय लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की आलोचना करने की न केवल इजाज़त है बल्कि ये लोकतंत्र के लिए बेहद ज़रूरी भी है। सरकार की आलोचना करना और उससे वैचारिक मतभेद रखना अपने आप मे कोई अपराध नहीं है। एक जनप्रतिनिधि अगर किसी नीति या विचारधारा के खिलाफ लड़ाई की बात कर रहा है तो इसे बगावत भड़काने से नहीं जोड़ा जा सकता। यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दायर की है। इसमें संभल की चंदौसी कोर्ट के 7 नवंबर 2025 के आदेश को चुनौती दी गई है। उस आदेश में चंदौसी कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल याचिका को कमजोर बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया। इससे पहले 21 मई 2025 को संभल के जिला जज कोर्ट ने राहुल गांधी को नोटिस जारी कर जवाब देने या कोर्ट में पेश होने को कहा था। बाद में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने समन जारी किया, लेकिन बाद में याचिका खारिज कर दी गई। इसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को बयान दिया था कि "हम बीजेपी, आरएसएस और भारतीय सरकार से लड़ रहे हैं।" इसी बयान के आधार पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट में आवेदन दिया गया था, जिसे अधिकार क्षेत्र के आधार पर खारिज कर दिया गया।

## करोड़पति चपरासी इलहाम-उर्र-रहमान शम्सी गिरफ्तार

पीलीभीत पुलिस ने शुक्रवार को तीन बीवी रखने वाले करोड़पति चपरासी इलहाम-उर्र-रहमान शम्सी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने करोड़ों के घोटाले में शामिल उसकी 2 पत्नी लुबना और अजारा खान, साली फातिमा, सास नाहिद, रिश्तेदार आफिया खान, परिचित परवीन खातून और आशकारा परवीन को गिरफ्तार किया है। इलहाम की पहली पत्नी अर्शी खातून को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी थी। वह इस समय जमानत पर जेल से बाहर है। आरोपी चपरासी जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर बीसलपुर इंटर कॉलेज में तैनात था। आठ साल पहले उसने जुगाड़ से जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) ऑफिस में अटैचमेंट ले लिया। फिर वह सैलरी के लिए टोकन जनरेट करने आदि जैसे काम भी देखने लगा। उसने तीनों पत्नियों, सास-साली समेत अपने रिश्तेदारों को टीचर, बाबू और ठेकेदार बना दिया। जांच के दौरान पुलिस को अभी तक 53 ऐसे बैंक खाते मिले हैं, जिसमें घोटाले की रकम ट्रांसफर की गई है। जिन 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है, उनके खातों में 8 सालों में अब तक 8 करोड़ 15 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे। ये रकम सैलरी और कॉलेज में फर्जी काम कराने के नाम पर भेजी गई थी। पुलिस ने अलग-अलग बैंक खातों में जमा 5 करोड़ 50 लाख रुपए की धनराशि को फ्रीज करा दिया है। 2026 के फरवरी महीने में बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर ने पीलीभीत डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को एक पत्र भेजा। उसमें बताया गया कि ट्रेजरी ऑफिस से 1 करोड़ 15 लाख रुपए एक निजी बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके बाद डीएम ने तीन सदस्य जांच कमेटी गठित की। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि DIOS ऑफिस से करीब 8 साल से फर्जी शिक्षकों को दर्शाकर निजी बैंक खातों में धनराशि भेजने का खेल चल रहा है।